व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि

पत्तल बनाना

स्वयं सहायता समूह -नैना

एसएचजी /सीआई जी नाम	:	नैना
वीएफडीएस नाम	:	बनेहर
रेंज	:	जोगिंदर नगर
वन विभाग	:	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार -

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (JICA असिस्टेड)

विषयसूची

अनु क्रमांक	विवरण	पृष्ठ सं०
1.	परिचय	3
2.	CIG/SHGका विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5.	कार्यकारी सारांश	6
6.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
7.	उत्पादन प्रक्रियाएं	7
8.	उत्पादन योजना	8
9.	बिक्री और विपणन	9
10.	SWOTविश्लेषण	10
11.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	11
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	11-12
13.	आय और व्यय का विश्लेषण	13
14.	फंड की आवश्यकता	13
15.	फंड के स्रोत	14
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	14
17.	ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	15
18.	बैंक ऋण चुकौती	15
19.	निगरानी विधि	15-16
20.	टिप्पणियां	16
21.	ग्रुप मेंबर फोटो	16-17
22.	समूह चित्र	17
23.	संकल्प-सह समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	18
24.	VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति	19

1. परिचय-

नैना एसएचजी का गठन प्रोजेक्ट फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ हिमाचल प्रदेश फॉरेस्ट इकोसिस्टम मैनेजमेंट एंड लाइवली हुड JICA असिस्टेडके तहत किया गया था ,जो वीएफडीएस बनेहर और रेंज जोगिंदर नगर के अंतर्गत आता है । इस एसएचजी में 11 महिलाएं शामिल हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से पत्तल (प्लेट) और दूना (कटोरा) बनाने का फैसला किया । इन महिलाएं के पास पहले से ही पास के जंगल में टौर के पत्तों की बहुतायत थी । इस तरह के पत्तल की मांग मोहल्ले के साथ-साथ आसपास के बाजार में भी काफी ज्यादा है।

टौर के पत्तों से प्लेट बनाना कोई नई अवधारणा नहीं है। यह एक पुरानी अवधारणा है, जहां एक व्यक्ति टौरके पत्तों को इकट्ठा करता था, पत्तियों को धोकर साफ करता था और फिर लकड़ी के छोटे पिनों के साथ दो से तीन पत्तियों को एक साथ बांधता था। यह पारंपरिक तरीका अभी भी मौजूद है लेकिन बहुत कम संख्या में। पारंपरिक तरीके से टौर प्लेट बनाने के सिकुड़ने का मुख्य कारण बाजार में अन्य प्लेटों की उपलब्धता है जैसे एल्युमीनियम प्लेट्स और टौर प्लेट्स की शेल्फ लाइफ कम थी। अन्य कारण यह है कि इसमें समय लगता है और इसमें बहुत अधिक श्रम की आवश्यकता होती है और अब बहुत कम लोग बचे हैं जो अभी भी इन प्लेटों को पारंपरिक तरीके से बना रहे हैं।

जैसे-जैसे पर्यावरण के अनुकूल चीजों की मांग बढ़ रही है। यह एक अच्छी आय सृजन गतिविधि है जो पूरी तरह से बायो-डिग्रेडेबल है और मानव स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, पूरी तरह से सुरक्षित है और एल्यूमीनियम प्लेटों को बदल सकता है। एल्युमीनियम की प्लेटें अच्छी होती हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर खतरा नहीं होती हैं, लेकिन क्यूंकि उनके संसाधनों की कमी होती है और एल्युमीनियम एक महत्वपूर्ण संसाधन होने के कारण अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए टौर प्लेट बनाने की पारंपरिक विधि संभव नहीं है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, अब बाजार में बहुत कम समय में टौर प्लेट्स के उत्पादन के लिए विशिष्ट मशीनें उपलब्ध हैं। बहुत से लोगों ने इस व्यवसाय को शुरू किया है लेकिन अभी भी ऐसे अन्य व्यवसायों के लिए बहुत अधिक संभावनाएं हैं जो भी फल-फूल सकें। क्योंकि ऐसी प्लेटों की मांग बहुत अधिक है। इन महिलाओं के पास टौरके पत्तों की भारी आपूर्ति है और बाजार के बारे में जानने के बाद, उन्होंने एक साथ पत्तल बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में तय किया।

2. CIG/SHGका विवरण -

1	एसएचजी/सीआईजी का नाम	नैना
2	वीएफडीएस	बनेहर
3	सीमा	जोगिंदर नगर
4	मंडल	जोगिंदर नगर
5	गांव	बनेहर
6	ब्लॉक ऑफिस	द्रंग
7	ज़िला	मंडी
8	कुल संख्या एसएचजी में सदस्यों की संख्या	11
9	गठन की तिथि	01-03-2021
10	बैंक खाता संख्या	34010109918
11	बैंक विवरण	HPSCB जोगिंदर नगर
12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	20 (20 प्रति व्यक्ति)
13	कुल बचत	2428
14	कुल इंटर लोनिंग	-
15	नकद ऋण सीमा	-
16	चुकौती स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण -

क्र.सं.	नाम	पुरुष / महिला	पिता/ पति का नाम	श्रेणी	पद	संपर्क नंबर
1	सुषमा देवी	महिला	लाल सिंह	सामान्य	सचिव	8580481431
2	कृष्णा देवी	महिला	प्यार चांदो	सामान्य	प्रधान	8278719713
3	सुमित्रा देवी	महिला	दलीप सिंह	सामान्य	सदस्य	8278780962
4	शांति देवी	महिला	रमेश चंद	सामान्य	सदस्य	9418486721
5	रीता देवी	महिला	कृष्ण सिंह	सामान्य	सदस्य	8580712574
6	मोनिका ठाकुर	महिला	ओम प्रकाश:	सामान्य	सदस्य	9418060985
7	काव्या देवी	महिला	विधि राम	सामान्य	सदस्य	7807914988
8	कृष्णा देवी	महिला	मस्तराम	सामान्य	सदस्य	9015120227
9	शकुन्तला देवी	महिला	राम चंडी	सामान्य	सदस्य	8219928487
10	ललिता देवी	महिला	श्याम सिंह	सामान्य	सदस्य	9882595144
11	निर्मला देवी	महिला	राम चंडी	सामान्य	सदस्य	9015120227

4. गांव का भौगोलिक विवरण -

1	जिला मुख्यालय से दूरी	मंडी - 55 किलो मीटर
2	मेन रोड से दूरी	7 किलो मीटर
3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	गलू - 7 किलो मीटर
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	जोगिंदर नगर - 13किलो मीटर
5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	जोगिंदर नगर - 13 किलो मीटर पधार - 30 किलो मीटर मंडी - 55 किलो मीटर सुंदरनगर - 75 किलो मीटर बैजनाथ - 30 किलो मीटर पालमपुर - 46 किलो मीटर
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	✧ पधर ✧ जोगिंदर नगर ✧ पालमपुर ✧ बैजनाथ

5. कार्यकारी सारांश -

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा पत्तल आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह आईजीए इस एसएचजी की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा।यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। 25 प्लेटों का एक बंडल बनाने की प्रक्रिया में शुरू में 30मिनट का समय लगेगा । बाद में, इस समय को कम किया जाएगा क्योंकि समूह के सदस्य मशीन का उपयोग करने में सहज होंगे। उत्पाद सीधे समूह द्वाराऔर निकट बाजार के विक्रेताओं के माध्यम से शुरू में बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण -

1	उत्पाद का नाम	मशीनों द्वारा टौर पत्तल मेकिंग।
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है क्योंकि टौरके पत्तों की उपलब्धता बहुतायत में है और प्लेट बनाने की प्रक्रिया भी आसान है। साथ ही बाजार में प्लेटों की भारी मांग भी है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं -

मशीन पर पत्तल बनाने का प्रशिक्षण JICA परियोजना द्वारा समूह के सदस्यों को मशीन पर आपूर्तिकर्ता के माध्यम से मशीन पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर प्रदर्शन केसाथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

वीएफडीएस बनेहर के वन क्षेत्र में टौर पत्ते प्रचुर मात्रा में हैं। समूह के सदस्य इन टौर पत्तों को इकट्ठा करेंगे और उन्हें टौर पत्तल बनाने के लिए इस्तेमाल करेंगे। पत्तल बनाने की प्रक्रिया में, जंगल से पत्तियों को इकट्ठा करना और उन्हें उस स्थान पर लाना जहाँ मशीन लगाई जाती है, एक समय लेने वाला काम है।पत्तल बनाने की मशीन की स्थापना के साथ ,समूह ने श्रम विभाजन को निम्नानुसार सुझाव दिया है- :

मशीन चलाना 01 -:सदस्य

मौके पर पत्तल बनाना 03 -:सदस्यपत्तल

मैनुअल और वाहन का संग्रह और वहन 04 -:सदस्य

उत्पाद की बिक्री -:संयुक्त रूप सेअपने समूह के मुद्रित लोगो को व्यवस्थित करना 1 -सदस्य प्रत्येक बंडल में -1मुद्रित लोगो रखा जाएगा।

खाता संभालना 2 -सदस्य

समूह में कुल 11 सदस्य हैं, इसलिए वे कार्य कुशलता से कर सकेंगे। प्रत्येक मासिक बैठक में वे प्रत्येक सदस्य के काम का बंटवारा करेंगे और अपना मासिक उत्पाद लक्ष्य निर्धारित करेंगे और जरूरत पड़ने पर सदस्य की भूमिका भी बदल सकते हैं।

8. उत्पादन योजना -

1	उत्पादन चक्र	मंडी जिले में आम तौर पर सभी गांवों और शहरी क्षेत्रों में भी टॉर पत्तल की मांग होती है और आमतौर पर लोग विवाह और अन्य धार्मिक कार्यों में उपयोग के लिए पत्तल खरीदते हैं। टॉर के पत्तों की भारी मांग है क्योंकि वे पर्यावरण के अनुकूल हैं और लोग पर्यावरण के संरक्षण में योगदान देना चाहते हैं। जंगल में तारो के पत्तों की उपलब्धता 10 महीने के लिए होती है और ये पत्ते जून और जुलाई में उपलब्ध नहीं होते हैं।
2	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (सं०)	सभी महिलाएंपत्तल बनाने की मशीन की स्थापना के बाद समूह के सदस्यों के बीच श्रम विभाजन निम्नानुसार होगा: - मशीन चलाना:- 01 सदस्य मौके पर पत्तल बनाना :- 03 सदस्य पत्तल (मैनुअल और वाहन) का संग्रह और वहन:- 04 सदस्य उत्पाद की बिक्री:- संयुक्त रूप सेअपने समूह के मुद्रित लोगो को व्यवस्थित करना- 1 सदस्य (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा) खाता संभालना- 2 सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	पास का जंगल।
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार /मुख्य बाजार
5	प्रति माह आवश्यक मात्रा (प्लेटें)	9000 ब्राउन कार्डबोराड पेपर और टौर पत्ते 400 किलो
6	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (प्लेटें)	9000 प्लेट प्रति माह

9. **बिक्री और विपणन -**

1	संभावित बाजार स्थान	मंडी ,जोगिंदर नगर ,पालमपुर ,बैजनाथ
2	इकाई से दूरी	✧ मंडी - 86किलो मीटर ✧ जोगिंदर नगर -30 किलो मीटर ✧ पालमपुर -41 किलो मीटर ✧ बैजनाथ -25 किलो मीटर
3	उत्पादन बाजार स्थान की मांग	पत्तल की मांग साल भर रहती है। विवाह, अन्य धार्मिक कार्यों से संभावित मांग रहेगी।
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या पूरे विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा , निकट बाजारों के थोक व्यापारी। शुरुआत में उत्पाद 25 पत्तल प्रति बंडल में बेचा जाएगा । .
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGAको क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है ।
7	उत्पाद "नारा"	"एसएचजी का एक उत्पाद - पर्यावरण के अनुकूल पत्तल "

10. SWOT विशलेषण –

- **ताकत -**
  - कच्चा माल आसानी से मिल जाता है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है।
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है।
  - उत्पादन लागत कम है
  - अन्य समान उत्पाद के साथ कुछ प्रतिस्पर्धा।
  - एक अच्छी तरह से स्थापित ब्रांड बनने का उच्च मौका।
- **कमज़ोरी -**
  - मशीन से पत्तल बनाने का अनुभव न होना।
  - नए SHG को प्रबंधन और योजना बनाते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।
- **अवसर -**
  - मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उसी श्रेणी के अन्य उत्पाद कम हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
  - विवाह और अन्य कार्यों के दौरान डी की मांग अधिक होती है। स्थानीय खाद्य स्टालों से दैनिक मांग आ सकती है।
- **खतरे/जोखिम -**
  - समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी और समूह के सदस्यों के बीच श्रम के वितरण में नेतृत्व की कमी।
  - वर्षा ऋतु में वनों से कच्चे माल की उपलब्धता तथा अवकाश के समय पेड़ों की कटाई का समय काफी कम हो जाएगा।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण –

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- ❖ समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया अर्थात कच्चे माल की खरीद आदिमें शामिल होंगे।
- ❖ कुछ समूह के सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण –

ए - पूंजी लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु०)**
1	डाई के साथ पेपर प्लेट बनाने की मशीन	1	1,00,000	1,00,000
2	समान(डाई, एलिमेंट, तथा अन्य उपकरण)	-	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए)				**200000**

बी - आवर्ती लागत					
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु0)**
1	श्रम लागत	महीना	11	300/दिन	99,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1,000	1,000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	0.2 प्रति शीट	10,000
4	परिवहन	महीना		1,000	1,000
5	अन्य स्थिर बिजली , पानी का बिल , मशीन की मरम्मत	महीना		2,000	2,000
6	ब्राउन कार्डबोर्ड पेपर	महीना		0.2 प्रति शीट	10,000
कुल आवर्ती लागत = 1,23,000					

सी - उत्पादन की लागत		
क्रमांक	**विवरण**	**राशि**
1	कुल आवर्ती लागत	200000
2	पूंजीगत लागत पर सालाना %10मूल्यह्रास	20000
कुल =220000		

डी - बिक्री मूल्य का आकलन			
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**राशि**
1	पत्तल का उत्पादन	महीना	20,000
2	अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये प्रति यूनिट	80,000

इ – पौधारोपन लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु०)**
1	टौर वृक्षा रोपण (200 पोधे प्रति हेक्ट.)	- हेक्टर	60000 हेक्टर	120000
कुल पौधारोपन लागत (इ)				**120000**

13. आय और व्यय का विश्लेषण (प्रतिमाह)

क्रमांक	विवरण	राशि
1	पूंजीगत लागत पर सालाना %10मूल्यह्रास	200000
2	कुल आवर्ती लागत	1,23,000
3	कुल उत्पादन (प्लेट)	20,000
4	बिक्री मूल्य (प्रति प्लेट)	रु 4
5	आय उपार्जन	80,000
6	शुद्ध लाभ विक्रय मूल्य (4रुपये/प्लेट) - उत्पादन मूल्य (1.5 रुपये/प्लेट))	80,000 - 30,000 = 50,000
7	सकल लाभ =शुद्ध लाभ+श्रम लागत	50,000 + 99,000 = 1,49,000
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ IGAमें आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

14. निधि की आवश्यकता -

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु0)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	200000	150000	50000
2	कुल आवर्ती लागत	1,23,000	0	1,23,000
▪	टौर वृक्षा रोपण (200 पोधे प्रति हेक्ट.)	▪	▪	0
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	10,000	10,000	0
कुल		**453000**	**2,80,000**	**173000**

15. फंड के स्रोत -

परियोजना का समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का %75परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। ✧ SHG बैंक खाते में 1लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ डीएमयू द्वारा %5 ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी को मूल राशि की किश्तों का भुगतान नियमित आधार पर करना होता है।	मशीनों उपकरणों/ की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी औपचारिक औपचारिकताओं का पालन करने के बाद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	✧ पूंजीगत लागत का %25स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा।**लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान कर**	

	सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा । ✧ आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और मार्केटिंग
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना -

=पूंजीगत व्यय /बिक्री मूल्य (प्रति प्लेट)-उत्पादन की लागत (प्रति प्लेट)

=200000 (4-1.5)

=50000

50000 प्लेट्स बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा

18. बैंक ऋण चुकौती -

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है, हालांकिसदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए ।

- ✧ सीसीएल में ,एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में ,चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता -डीएमयू द्वारा %5ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी / सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणियां -

समूह की आगामी दृष्टि डाई आदि की मदद से मशीन पत्तल और डुनास के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है। खुद को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करना क्योंकि वे इस उत्पाद से जुड़ा कोई ब्रांड नहीं है। अपने उत्पाद की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने और उचित निर्माण योजना बनाए रखने के द्वारा उन्होंने इसे प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% का योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना पड़ेगा।

समूह सदस्य व्यक्तिगत तस्वीरें -

सुषमा देवी

कृष्णा देवी

सुमित्रा देवी

रीता देवी

काव्या देवी

मोनिका ठाकुर

ललिता देवी

निर्मला देवी

शांति देवी

कृष्णा देवी

शकुंतला देवी

समूह चित्र -

स्वयं सहायता समूह का नाम–नैना **वीएफडीएस-** बनेहर **रेंज -** जोगिंदर नगर **वन विभाग:-** जोगिंदर नगर

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Naina SHG held on 09-08-2024 at Banehar that our group will undertake the Pattal Making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature of group President

Signature of group Secretary

Signature of President VFDS

स्वयं सहायता समूह का नाम–नैना **वीएफडीएस-** बनेहर **रेंज -** जोगिंदर नगर **वन विभाग:-** जोगिंदर नगर

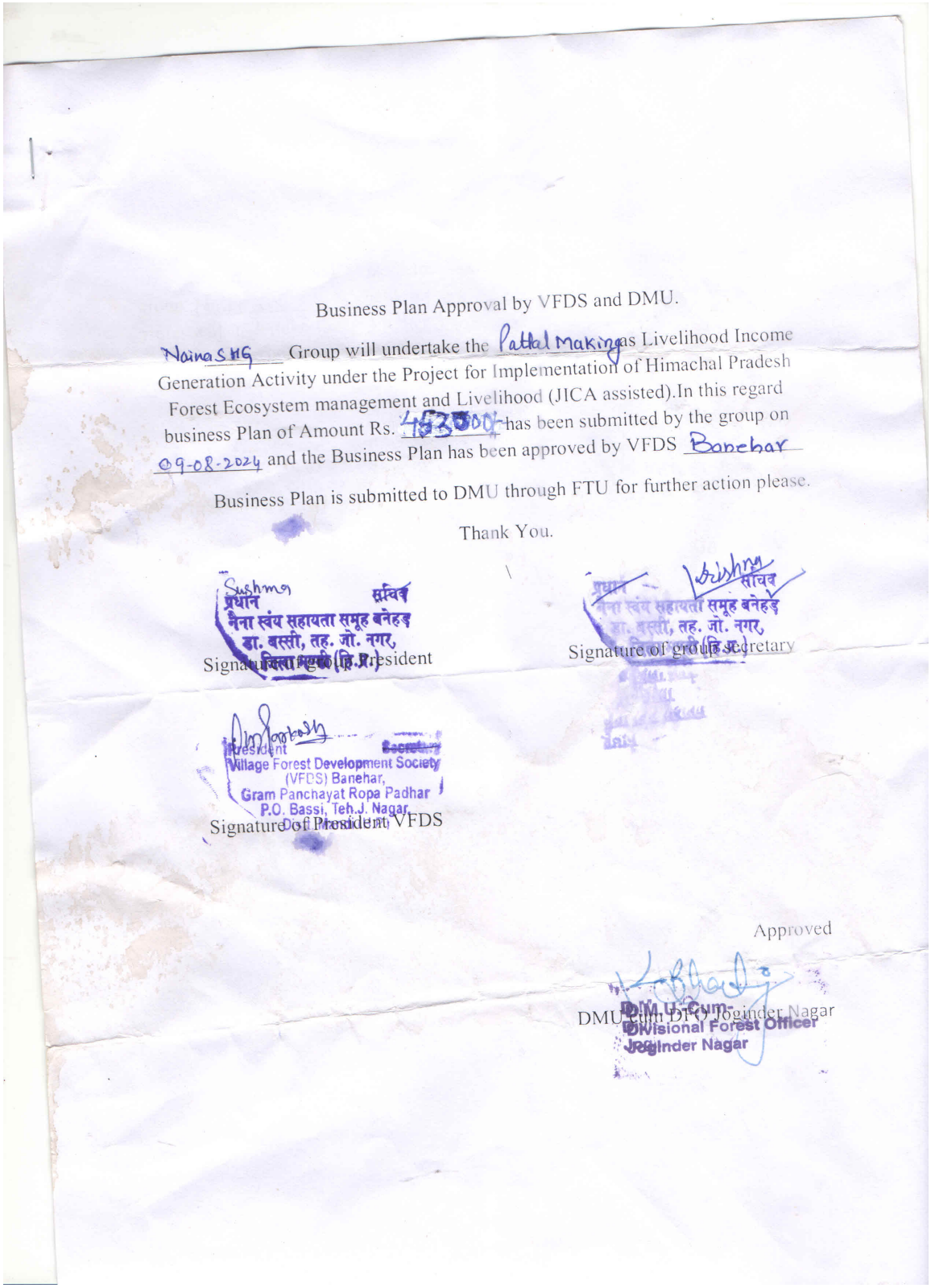

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Naina SHG Group will undertake the Pattal Making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 453500/- has been submitted by the group on 09-08-2024 and the Business Plan has been approved by VFDS Banehar

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Sushma
प्रधान सचिव
नैना स्वयं सहायता समूह बनेहड़
डा. बस्सी, तह. जो. नगर,
ज़िला मण्डी (हि.प्र.)
Signature of group President

Sushma
प्रधान सचिव
नैना स्वयं सहायता समूह बनेहड़
डा. बस्सी, तह. जो. नगर,
Signature of group Secretary

President Secretary
Village Forest Development Society
(VFDS) Banehar,
Gram Panchayat Ropa Padhar
P.O. Bassi, Teh.J. Nagar
Signature of President VFDS

Approved

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar
DMU cum DFO Joginder Nagar